Appendix

परिशिष्ट

परिशिष्ट-1 : आलोच्य ग्रंथों की सूची

परिशिष्ट-2 : सहायक ग्रंथों की सूची

परिशिष्ट-3 : पत्र- पत्रिकाएँ

परिशिष्ट-4 : डा० धर्मवीर भारती के पत्र

परिशिष्ट-1 : आलोच्य ग्रंथों की सूची

(डा० भारती की रचनाएं)

1- अंधायुग (दृश्य-काव्य) प्रथम सं०, सन् 1955, किताब महल, इलाहाबाद ।

2- आस्कर वाइल्ड की कहानियाँ (अनुवाद), द्वितीय संस्करण सन् 1960, भारतीय ज्ञानपीठ-काशी ।

3- कनुप्रिया (काव्य) चतुर्थ सं०, मार्च 1972, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली-6

4- कहनी अनकहनी (निबंध संग्रह) प्रथम सं०, सन् 1970, भारतीय ज्ञानपीठ-दिल्ली-6

5- गुनाहों का देवता (उपन्यास), बारहवाँ सं०, जनवरी 1973, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।

6- ग्यारह सपनों का देश- द्वि० सं० 1966, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली-6 (सहयोगी उपन्यास)

7- चांद और टूटे हुए लोग (कहानी संग्रह), द्वितीय सं०, सन् 1967, किताब महल, इलाहाबाद

8- ठण्डा लोहा (काव्य संग्रह) द्वितीय सं० सन् 1970, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली-6

9- ठेले पर हिमालय (नि०सं०) द्वितीय सं०, सन् 1970, भारतीय ज्ञानपीठ-दिल्ली-6

10- देशान्तर (अनूदित काव्य), द्वितीय सं०, सन् 1965, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली-6

11- नदी प्यासी थी (एकांकी संग्रह) प्रथम सं०, सन् 1954, किताब महल, इलाहाबाद ।

12- पश्यन्ती (नि०सं०), द्वितीय सं०, फरवरी 1972, भारतीय ज्ञानपीठ-दिल्ली-6

13- प्रगतिवाद : एक समीक्षा (समीक्षा) प्रथम सं०, सन् 1949, साहित्य भवन लि० इलाहाबाद

14- बंद गली का आखिरी मकान (कहानी संग्रह) द्वितीय सं०, सन् 1973, भारतीय-ज्ञान पीठ, नयी दिल्ली-1

15- मानव मूल्य और साहित्य (समीक्षा) प्रथम सं०, सन् 1960, भारतीय ज्ञानपीठ-काशी ।

16- युद्ध यात्रा (रिपोर्ताज) सन् 1971, 1972, धर्मयुग में प्रकाशित ।

17- मुक्त क्षेत्रे : युद्ध क्षेत्रे (रिपोर्ताज) सन् 1972, धर्मयुग में प्रकाशित ।

18- सात गीत वर्ष (काव्य संग्रह) द्वितीय सं0 सन् 1964, भारतीय ज्ञानपीठ-दिल्ली-6

19- सिद्ध साहित्य (शोध प्रबंध) 1955 ई0, किताब महल, इलाहाबाद ।

20- सूरज का सातवाँ घोड़ा (उपन्यास), सातवा सं0, जुलाई 1971, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली-6 ।

Appendix-2

परिशिष्ट -2 :

(सहायक ग्रंथों की सूची से)

1- अंधायुग : एक सृजनात्मक उपलब्धि (1973) सुरेश गौतम ।

2- अत्याधुनिक हिन्दी साहित्य- डा0 कुमार विमल ।

3- अरी ओ करुणा प्रभामय- अज्ञेय ।

4- अनुवाद कला कुछ विचार, सं0 आनंद प्रकाश खेमाणी ।

5- आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ-डा0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

6- आत्मनेपद-(1960) अज्ञेय ।

7- आज का हिन्दी साहित्य -डा0 रामदरश मिश्र, 1975 ई0, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली ।

8- आधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सिद्धान्त, डा0 सुरेशचंद्र गुप्त, प्र0सं0 1960, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली-6

9- आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य और मनोविज्ञान-डा0 देवराज उपाध्याय, प्र0 सं0 1956-साहित्य भवन प्रा0 लि0 इलाहाबाद ।

10- आलोचना और काव्य- डा0 इन्द्रनाथ मदान, 1960 ई0 ।

11- आधुनिक हिन्दी साहित्य (1947-1962) डा0 रामगोपाल सिंह, चौहान, 1965, विनोद पुस्तक मन्दिर-आगरा ।

12- आधुनिक हिन्दी काव्य में छंद योजना-डा0 पुत्तूलाल शुक्ल, प्र0 सं0 विक्रमाब्द-2014, लखनऊ विश्वविद्यालय ।

13- आधुनिक हिन्दी नाटकों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन-डा0 गणेशदत्त गौड़,प्र0सं0 1965

14- आधुनिक हिन्दी कविता में प्रेम और श्रृंगार-डा0 रांगेय राघव,प्र0 संस्करण 1961, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।

15- आधुनिक हिन्दी कविता में मनोविज्ञान,डा0 उर्वशी सूरती ।

16- आधुनिक हिन्दी साहित्य में प्रेम और सौंदर्य- डा0 रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस-दिल्ली ।

17- आधुनिक हिन्दी साहित्य- डा0 भोलानाथ तिवारी,(1900-1950) की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि-1969, प्रगति प्रकाशन,आगरा-3

18- आधुनिक हिन्दी कवियों का सामाजिक दर्शन, डा0 प्रेमचंद विजयवर्गीय ।

19- ओ अप्रस्तुत मन, भारत भूषण अग्रवाल ।

20- इतिहास पुराण, लक्ष्मीकांत वर्मा ।

21- काव्य-बिम्ब- डा0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस-दिल्ली ।

22- काव्य-दर्पण, रामदहिन मिश्र, ग्रंथमाला कार्यालय-बांकीपुर ।

23- काव्य-प्रकाश : मम्ट, व्याख्याकार-डा0 सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा,विद्याभवन,बनारस।

24- काव्य कला तथा अन्य निबंध,जयशंकर प्रसाद,भारती भण्डार,इलाहाबाद ।

25- चिन्तामणि(द्वितीय भाग) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,द्वितीय संस्करण ,संवत् 2006, सरस्वती मंदिर काशी ।

26- कुछ विचार, प्रेमचंद ।

27- छायावादोत्तर हिन्दी कविता-डा0 रमाकांत शर्मा, प्र0 सं0 1970,साहित्य सदन-देहरादून ।

28- छायावादोत्तर काव्य- सिद्धेश्वर प्रसाद ।

29- छायावादोत्तर हिन्दी गद्य-साहित्य- डा0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी,1968 ई0 ।

30- तथापि, नरेश मेहता(1961)

31- तीसरा सप्तक-सं0 अज्ञेय,1959 ई0 ।

32- द्वितीय महा समरोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास-डा0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय- (1973) राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।

33- दूसरा सप्तक-सम्पादक-अज्ञेय (1951)

34- धर्मवीर भारती- सं0 लक्ष्मणदत्त गौतम, 1974-कुमार प्रकाशन-नई दिल्ली ।

35- धर्मवीर भारती का उपन्यास साहित्य, कैलाश जोशी, सन् 1974, चिन्मय प्रकाशन- जयपुर-3 ।

36- धर्म तुलनात्मक दृष्टि में- डा0 राधाकृष्णन ।

37- नयी कविता : नये धरातल- डा0 हरिश्चरण शर्मा, ( ) पदम बुक कम्पनी-जयपुर-2

38- नयी कविता, नयी आलोचना और कला- डा0 कुमार विमल, प्र0 सं0 1963, भारती भवन-पटना-4 ।

39- नयी कविता- डा0 कान्तिकुमार, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल ।

40- नयी कविता और उसका मूल्यांकन-डा0 सुरेशचन्द्र सहल ।

41- नयी कविता के प्रतिमान- लक्ष्मीकांत वर्मा, भारती प्रेस प्रकाशन, इलाहाबाद-2

42- निराला के काव्य बिम्ब और प्रतीक, वेदप्रकाश शर्मा, (1973) आशा प्रकाशन गृह-नयी दिल्ली ।

43- नेहरू : राजनीतिक जीवन : माइकेल ब्रीचर, अनुवादक-बच्चन ।

44- पल्लव- सुमित्रानंदन पंत ।

45- प्रगतिवाद और हिन्दी उपन्यास- डा0 प्रभासचंद्र शर्मा, साहित्य सदन-देहरादून ।

46- प्रगतिशील साहित्य के मानदण्ड-डा0 रांगेय राघव, 1954

47- प्रयोगवाद-डा0 नामवरसिंह ।

48- प्रसादोत्तर नाट्य साहित्य- डा0 विजय बापट, 1971, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी-भोपाल ।

49- प्रामाणिक हिन्दी कोश- रामचन्द्र वर्मा ।

50- प्रेमचंद और शरतचंद्र के उपन्यास- डा0 सुरेन्द्रनाथ तिवारी ।

51- बृहदारण्यक उपनिषद ।

52- भारत में सामाजिक कल्याण और सुरक्षा, रवीन्द्रनाथ मुकर्जी ।

53- भारतीय संस्कृति- साने गुरु ।

54- मानविकी पारिभाषिक कोश- डा० नगेन्द्र ।

55- महादेवी का विवेचनात्मक गद्य, सं० गंगाप्रसाद पाण्डेय, 1944 ई०, इण्डियन प्रेस- इलाहाबाद ।

56- मेरे हमदम : मेरे दोस्त- सं० कमलेश्वर, प्र० सं० 1975, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

57- रस-सिद्धान्त- डा० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

58- रेत की मछली- कान्ता भारती, प्रथम सं० 1975, लोकभारती प्रकाशन-इलाहाबाद-1

59- विवेक के रंग- डा० सुरेश अवस्थी, 1965, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली-6

60- विचार और विवेचन-डा० नगेन्द्र, प्र० सं० 1955, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

61- शैली और कौशल- पं० सीताराम चतुर्वेदी ।

62- शैली- करुणापति त्रिपाठी ।

63- शोध और समीक्षा- डा० सुरेशचन्द्र गुप्त, 1967 ई०

64- समीक्षा शास्त्र- डा० दशरथ ओझा, द्वि० सं०-1957 ई० ।

65- सहचिंतन- अमृतराय ।

66- साहित्य का नया परिप्रेक्ष्य, 1963 ई०, डा० रघुवंश, भारतीय ज्ञानपीठ-नई दिल्ली-1

67- साहित्य समीक्षा- बाबू गुलाबराय ।

68- सृजन के आयाम(प्र० सं० 1961), ज्वालाप्रसाद खेतान ।

69- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास और ग्राम चेतना-डा० ज्ञानचंद गुप्त, 1974 ई०, अभिनव प्रकाशन-दिल्ली-31

70- स्वर्ग और पृथ्वी-सम्बत् 2006, सं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र ।

71- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य-सं० डा० महेन्द्र भटनागर ।

72- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी प्रबंध काव्य- डा0 बनवारीलाल शर्मा, 1972 ई0, रमा पब्लिशिंग हाउस-जयपुर-2 ।

73- हिन्दी भाषा और साहित्य को आर्य समाज की देन- डा0 लक्ष्मीनारायण गुप्त, संवत् 2018, लखनऊ विश्वविद्यालय-लखनऊ ।

74- हिन्दी साहित्य का इतिहास- सं0 डा0 नगेन्द्र, प्र0 सं0 1973 ई0, नेशनल पब्लिशिंग हाउस-दिल्ली ।

75- हिन्दी साहित्य का बृहद इतिहास (चतुर्थ भाग) सं0 -डा0 हरवंशलाल शर्मा आदि, ना0 प्र0 स0 का0 ।

76- हिन्दी साहित्य - डा0 भोलानाथ तिवारी, 1954, प्रयाग विश्वविद्यालय, हिन्दी परिषद ।

77- हिन्दी साहित्य का इतिहास- डा0 राममूर्ति त्रिपाठी, मानकचंद बुक डिपो, उज्जैन (म0 प्र0)

78- हिन्दी की प्रयोगशील कविता और उसके प्रेरणा स्रोत-श्री रामनागर, रजिस्ट्रार, सरदार वल्लभभाई विद्यापीठ, वल्लभविद्यानगर (गुजरात) ।

79- हिन्दी काव्य और प्रयोगवाद-श्री रामकुमार खण्डेलवाल, प्र0 सं0 1959 ई0, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।

80- हिन्दी काव्य साहित्य में काव्य रूपों ~~का~~ के प्रयो-डा0 शंकरदेव अवतरे ।

81- हिन्दी नवलेखन, 1960 ई0, डा0 रामस्वरूप चतुर्वेदी ।

82- हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद- त्रिभुवनसिंह, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय-काशी ।

83- हिन्दी कहानी- प्रकाश दीक्षित ।

84- हिन्दी कहानी की रचना- प्रक्रिया, डा0 परमानंद श्रीवास्तव ।

85- हिन्दी का गद्य साहित्य- डा0 रामचन्द्र तिवारी, द्वि0 सं0 1968, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

86- हिन्दी ~~ए~~ उपन्यास : एक सर्वेक्षण : महेन्द्र चतुर्वेदी, प्र0 सं0 1962 नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली-6

87- हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन- डा० एस० एन० गणेशन, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।

88- हिन्दी उपन्यास- डा० सुषमा धवन, प्र० सं० 1961 ई०, राजकमल प्रा० लिमिटेड, दिल्ली ।

89- हिन्दी उपन्यासों का शास्त्रीय विवेचन-डा० महावीर लोढ़ा, रोशनलाल जैन एण्ड संस, जयपुर ।

90- हिन्दी निबंधकार- डा० जयनाथ नलिन, सन् 1954 ।

91- हिन्दी के निबंधों का शैलीगत अध्ययन- डा० मु०ब० शहा, जनवरी 1973, पुस्तक संस्थान-कानपुर- 12

92- हिन्दी साहित्य में जीवन, चरित्र का विकास- डा० चन्द्रावती सिंह, 1958 ई०, इंडियन प्रेस-प्रा० लिमिटेड-इलाहाबाद ।

93- हिन्दी गीति नाट्य- कृष्ण सिंहल ।

94- हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल- डा० जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, 1969 ई०, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।

95- हिन्दी शब्द सागर- का० ना० प्र० सं०

96- हिन्दी साहित्याब्द कोश(1970) सं० गोपालराय ।

97- हिन्दी साहित्य कोश, ज्ञा०म० भाग-2, सं० धीरेन्द्र वर्मा ।

98- A short Guide to English Style- Alan Warner.

99. Comcise Axford Dictionary(4th Add.)

100. Dictionary of Word Literature-Joseph & Shipley.

101. Essay in Aesthetic- Satre.

102. Free Verse : T.S.Eliet.

103. Psychological Types : C.G.Jung.

104. Poetic Diction- Barfild.

105. Style : F.S.Lucas.

106. The Poetic images Eighth impression- C.D.Lewis.

107. The Technique of Novel-writing- Hogorth.

108. The Craft of Fiction- Pursy Ubbark.

--

Appendix-3

परिशिष्ट-3

पत्र-पत्रिकाएं

1- अवन्तिका : जनवरी 1954

2- आलोचना(त्रैमासिक), 3 अप्रैल 1952, अप्रैल 1953, जनवरी 1956, (सं0 धर्मवीर भारती), जुलाई 1954, सं0 गिरिजाकुमार माथुर, अक्टूबर 1956 सं0 नंददुलारे वाजपेयी, जुलाई-सितम्बर 1970, जु0 सि0 1972।

3- आधार(चौमासा पत्र) : सं0 रामावतार चेतन, मार्च 1956।

4- कल्पना(हैदराबाद), नव. 1958, जनवरी 1961, जुलाई 1963, जून 1964, सितम्बर 1973, अगस्त 1974 तथा अंक-43,82,147।

5- कादम्बिनी-जून 1973।

6- धर्मयुग (सं0 भारती) : 14 जनवरी 1968, 17 अक्टूबर 1971, 24 अक्टूबर 1971, 7 नवम्बर 1971, 2 जनवरी 1972, 16 जनवरी 1972, 23 जनवरी 1972, 30 जनवरी 1972, 6 फरवरी 1972, 13 फरवरी 1972, 15 मई 1977, 23 अप्रैल 1977, 21 मई 1977।

7- नयी कविता(अर्द्धवार्षिक) सं0 डा0 जगदीश गुप्त, अंक-1, अंक-2, 1955 ई0।

8- निकष- सम्पादक-डा0 भारती, अंक-3,4 जनवरी 1957 ई0।

9- परिमल स्मारिका अंक- प्रस्तुतकर्ता डा0 जगदीश गुप्त।

10- प्रतीक वर्ष-3

11- मायT, नवम्बर 1976, अप्रैल 1977 ई0 ।

12- माधुरी, मई 1977 ई0 ।

13- मूल्यांकन- सं0 डा0 शंभूनाथ चतुर्वेदी , मार्च 1966 ई0 ।

14- लहर, जनवरी, फरवरी 1972 ई0 ।

15- विश्व हिन्दी दर्शन, 10 जनवरी 1975 ई0 ।

16- साहित्य-संदेश, जुलाई-अगस्त 1967 ई0 ।

17- सारिका, मार्च 1970, मई 1976 ई0 ।

18- हिन्दी वार्षिकी- 1961 ई0 ।

19- ज्ञानोदय-जनवरी 1968 ई0 ।

--

Appendix-4

परिशिष्ट-4 : डा0 भारती के पत्र

पत्र- 1

धर्मयुग,
सचित्र हिन्दी साप्ताहिक,
12 नवम्बर, 1974.

प्रिय भाई,

आपका कृपा पत्र मिला । अपनी जीवनी के संबंध में एक टिप्पणी भिजवा रहा हूं । उसमें लगभग सारी आवश्यक बातें आ जाती हैं । आशा है, इससे काम चल जायेगा ।

जिन पुस्तकों के न मिलने की शिकायत आपने की है उनमें 'नीली झील' तो वस्तुत: गलत शीर्षक है । एकांकी संकलन का नाम 'नदी प्यासी थी' है । वह किताब महल से छपा था लेकिन अब शायद उसका संस्करण समाप्त हो गया है । दूसरी दोनों कहानी संकलनों का दूसरा संस्करण पुनर्मुद्रित नहीं हुआ । केवल उनकी कुछ कहानियां 'चांद और टूटे हुए लोग' में सम्मिलित कर ली गयी हैं । यदि किसी लाइब्रेरी में वे पुराने संस्करण मिल जायं तो देख लीजिये ।

आपका,

(भारती)

श्री भगवानदास कहार,
कला संकाय, हिन्दी विभाग,
म0 स0 विश्वविद्यालय, बड़ोदा ।

संलग्न : जीवनी

पो0 बा0 नं0 213, दादाभाई नौरोजी मार्ग, टाइम्स आफ इण्डिया बिल्डिंग, बम्बई-1

पत्र-2

पो0 आ0 बक्स नं0 213,
टाइम्स आफ इण्डिया बिल्डिंग,
बम्बई-1, टेलीफोन : 268271
तार : "इण्डियाना"

धर्मयुग
सचित्र हिन्दी साप्ताहिक

प्रिय भाई,

आपका कृपा पत्र मिल गया। अपने जीवन के उन पहलों पर (यानी संस्कार, साहित्यिक प्रभाव आदि) पर मैंने कभी लिखा नहीं। अब लिखना शुरू किया है। दो-तीन दिन में आपको भेज दूंगा।

सस्नेह,

16-10-76

(भारती)

--

श्री भगवान दास कहार,
रिसर्च स्कालर, हिन्दी विभाग,
कला संकाय, म0स0 विश्वविद्यालय, बड़ौदा-गुजरात

पत्र-3

प्रिय भाई,

मुझे बहुत खेद है कि आपके अनेक पत्र मिले पर यथासमय न तो मैं उनके उत्तर दे सका न आपको आपके लिये आवश्यक सामग्री ही भेज सका। इसका मुख्य कारण यही है कि मुझे अपने बारे में कुछ भी लिखने या बात करने में बहुत संकोच महसूस होता है। यह मेरा स्वभाव है। आपने कहीं भी नहीं देखा होगा कि मैंने अपने बारे में कहीं कुछ भी लिखा हो।

फिर भी चूंकि आपकी थीसिस के लिये आवश्यक है अत: संक्षेप में अपने जीवन और उस पर पड़े प्रभावों की रूपरेखा लिख रहा हूं। अनेक मामलों में तिथियां मुझे याद नहीं हैं, जो याद है वह लिख दूंगा।

इधर पत्रकारिता की व्यस्तता के कारण लिखने का उतना समय नहीं मिल पाता है। कुछ जो लिखा वह छपाया नहीं है।

दीपावली की अनेक शुभ कामनाएं।

सस्नेह आपका,

20-10-76

: धर्मवीर भारती :

श्री भगवानदास कहार,
शोध छात्र, हिन्दी विभाग, कला संकाय,
म0 स0 विश्वविद्यालय, बड़ौदा।

--